

प्रेषक,

एम0सी0उप्रेती,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
खादय एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून।

खादय एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 29, मार्च 2004

विषय:- अन्नपूर्णा योजना के किन्यावयन हेतु वित्तीय वर्ष 2003-04 के लिये धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माह अगस्त, 2003 से मार्च, 2004 तक की अवधि के लिये केन्द्र पोषित अन्नपूर्णा योजना हेतु रु0-58,30,000.00(रुपये अठ्ठावन लाख, तीस हजार मात्र) की धनराशि वित्तीय वर्ष 2003-2004 में व्यय हेतु स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त स्वीकृत इस शर्त के अधीन दी जा रही है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण पूर्व स्वीकृत एवं अब स्वीकृत की जा रही धनराशि के विपरीत केन्द्रांश प्राप्त होने पर ही किया जायेगा।

2- योजना के सुचारु संचालन/कार्यान्वयन हेतु शासनादेश सं0- 440/खादय/अन्नपूर्णा योजना /2001 दिनांक 04 अक्टूबर, 2001 द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

3- आयुक्त, खादय एवं नागरिक आपूर्ति अन्नपूर्णा योजना के जनपदवार संशोधित लाभार्थियों की सूचना वित्त नियंत्रक को उपलब्ध करायेगे जिसके आधार पर जनपदवार आवंटन किया जायेगा।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि को व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, मितव्ययता के विषय में शासन के आदेश, स्टोर पर्चेज रूल्स, टैंडर विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

5- व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

6- आगामी किश्त का प्रस्ताव भेजे जाने से पूर्व इस धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवम् भारत सरकार से प्रतिपूर्ति की गयी धनराशि का भी विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। राज्य से उक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र न प्रस्तुत करने का समस्त दायित्व वित्त नियंत्रक, खादय एवं जनपद स्तर पर जिला पूर्ति अधिकारी का ही माना जायेगा।

7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के अनुदान संख्या-25 लेखाशीर्षक 3456-सिविल पूर्ति-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-01-अन्नपूर्णा योजना-42 अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 3083/वित्त विभाग-3/2004 दिनांक 29, मार्च, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एम0सी0उप्रेती)
अपर सचिव।

2

संख्या: 185 (1) / खा0अनु0 / अन्तर्पूर्ण योजना / 2004 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार लेखा एवं हकदारी प्रथम, उत्तरांचल, ओवरॉय भवन माजरा, देहरादून।
- 2- सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली।
- 3- प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग/समाज कल्याण विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- वित्त नियंत्रक, खादय एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/उधमसिंह नगर, उत्तरांचल।
- 7- वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक, भारतीय खादय निगम, देहरादून।
- 8- समस्त सम्भागीय खादय नियंत्रक, उत्तरांचल।
- 9- समस्त जिला पूर्ति अधिकारी, उत्तरांचल।
- 10- समस्त सम्भागीय लेखाधिकारी, खादय एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल।
- 11- समन्वयक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल, देहरादून।
- 12- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग/गार्ड फाईल, उत्तरांचल शासन।

आज्ञा से,

(एम0सी0उप्रेती)
अवर सचिव।